डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 129 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 19 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

कितनी कारगर रहेगी सम्राट मार्केट की दुर्दशा सुधारने की एक और कवायद..!

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लंबे अरसे बाद प्रशासन द्वारा सम्राट मार्केट की दुर्दशा की सुध ली जा रही है। यह तो अच्छी बात है, लेकिन ऐसा ना हो कि पहले की तरह इस बार के भी प्रयास विफल हो जाएं। सम्राट मार्केट और इससे लगा हुआ क्षेत्र मंदसौर नगर का सबसे ज्यादा व्यावसायिक महत्व का क्षेत्र है। किसी समय यहां हाट बाजार लगता था, जिसे शुकरवारिया भी कहते थे। क्योंकि वो हर शुक्रवार को ही लगता था।

हाट बाजार में कहीं भी बैठकर छोटे बड़े व्यवसायी अपनी वस्तुओं को विक्रय करते थे तो अभी भी इसी मानसिकता से सम्राट मार्केट को देखा जाता है। यहां सब्जी मंडी के शेड बनाए गए हैं, पंडित गजा महाराज सब्जी कांप्लेक्स में प्लेट फार्म बनाए गए हैं। फिर भी सब्जी विक्रेता वहां नहीं बैठ कर बीच सड़क पर ही बैठकर सब्जी बेचते हैं। यह मसला वर्षों पुराना है। गजा महाराज सब्जी मंडी का कांपलेक्स बनाया गया, बकायदा सब्जी विक्रेताओं को जगह अलाट की गई, लेकिन ये लोग वहां नहीं बैठते। इस वजह से सम्राट मार्केट का पूरा क्षेत्र यातायात की दृष्टिसे बहुत ही दुर्दशाग्रस्त हो जाता है। विशेष पर्व और अवसरों के अलावा शाम के समय तो लगभग रोज यहां की हालत यह हो जाती है कि यहां वाहन तो ठीक पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। यहां किसी तरह का कोई नियम का पालन होता ही नहीं। यहां के हालात सुधरने का प्रयास पहली बार नहीं अनेक बार हो चुका है लेकिन चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात वाली कहावत चरितार्थ होती रही है। थोड़े दिन कुछ ठीक रहता है, फिर कोई ध्यान नहीं देता। ना तो नियम पालन करने वाले और न करवाने वाले।

दर्द-ए-दिल

कुमार दशपुरी

लंबे समय बाद यह देखा जा रहा है कि प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट होकर के सम्राट मार्केट की स्थिति सुधारने के लिए कटिबद्ध दिख रहा है। गजा महाराज शॉपिंग कांप्लेक्स के पीछे पुरानी सब्जी मंडी लगती थी। वहां अब पार्किंग का स्थान तय किया जा रहा है। कलेक्टर, पुलिस कप्तान, नगर पालिका अध्यक्ष के साथ लगातार तीसरी बार यहां मुआयना कर चुके हैं। शनिवार को चौथी बार पहुंच कर फालोऑप लिया। अब उम्मीद तो बन रही है कि यहां कुछ ठीक होकर रहेगा। लेकिन, सवाल उठता है कि प्रशासन तो सिर्फ व्यवस्थाएं तय कर सकता है। पालन करना तो यहां के व्यवसायियों पर निर्भर है। देखना है इस बार ये प्रयास रंग लाते हैं या हर बार की तरह थोड़े दिनों बाद सब साफ...।

परिवहन-स्वास्थ्य विभाग ने दिया अभयदान

वापिस लूटमार करने के लिए सड़क पर उतरी एंबुलेंस

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। यातायात पुलिस ने अभियान चलाकर बीते कुछ माह पहले डेढ दर्जन एंबुलेंस को जब्त किया था। लंबे समय तक कई एंबुलेंस थाने पर ही खड़ी रही। अभी भी तीन एंबुलेंस यातायात थाने पर खड़ी है। जिन एंबुलेंस को छोड़ा गया, उसमें जिला परिवहन विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने निजी एंबुलेंस संचालकों को अभयदान दिया। तय हुआ था कि जिला परिवहन विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जांच करेंगे। इसके बाद हरी झंडी मिलने पर यातायात पुलिस एंबुलेंस छोड़ेगी। स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक संसाधनों की जांच थाने पर खड़ी निजी एंबुलेंस में करना थी। इसी तरह से कागजातों की जांच जिला परिवहन विभाग को थाने पहुंचकर करना थी। अब दोनों ही विभागों ने एंबुलेंसों को ओके रिपोर्ट दे दी। इस तरह से यातायात पुलिस ने भी एंबुलेंस को रवाना कर दिया। एक बार फिर नियमों को ताक पर रखकर चल रही एंबुलेंस सड़को पर दौड़ने लगी।

किराये के साथ स्थान भी किया था तय...

कोरोना की दूसरी लहर के बाद प्रशासन द्वारा बीपीएल चौराहे पर साई मंदिर के पास स्टेडियम की खाली पड़ी जगह पर एंबुलेंस स्टैंड घोषित किया गया था। इसके लिए तत्कालीन एडीएम ने निर्देश भी जारी किये थे। एंबुलेंस का संचालन रोस्टर अनुसार करने की योजना तैयार कर मंदसौर से इंदौर, उदयपुर, अहमदाबाद, रतलाम, भीलवाड़ा, जयपुर, भोपाल सहित अन्य जगहों पर जाने के लिए एंबुलेंस का किराया भी तय कर दिया था। पर लगभग दो तीन माह तक ही यह व्यवस्था कायम रह सकी। बूथ दो माह तक चला। जैसे ही बूथ बंद हुआ प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों ने भी एंबुलेंस को चिन्हित स्टैंड पर खड़ा कराने के प्रयास बंद कर दिएं। तो फिर सभी एंबुलेंस संचालकों ने बड़े अस्पताल के आस-पास व दवा बाजार जाने वाले संकरे मार्ग पर ही एंबुलेंस खड़ी करना शुरू कर दी। इसके अलावा बड़े अस्पताल में भी पहले की तरह ही मरीजों के साथ आए स्वजनों पर दबाव बनाने, अस्पताल के कर्मचारियों से साठ-गांठ करने के कार्य किए जा रहे हैं।

एंबुलेंस संचालकों के बीच बनती है विवाद की स्थिति...

बड़े अस्पताल से हर तीसरा या चौथा मरीज इंदौर, उदयपुर या अहमदाबाद के लिए रेफर होता है। इसके कारण ही एंबुलेंस संचालक या उनके एजेंट बड़े अस्पताल के इमरजेंसी रुम नंबर 9 में ही जमे रहते हैं। गंभीर मरीज को बड़े शहरों के अस्पताल में ले जाने के लिए भी उनके बीच विवाद की स्थिति भी बनती है। कई एंबुलेंस में किसी तरह के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। आपसी प्रतिस्पर्धा के कारण इनके बीच आपसी विवाद भी होते हैं।

यह निर्देश भी हो गए हवा...

✻ जिन निजी अस्पताल के पास स्वयं की एंबुलेंस हैं वे ही संचालन कर सकेंगे। जानकारी प्रशासन को देना होगी। पंजीयन इन्हें भी कराना होगा। ✻ सभी एंबुलेंस में 15 दिन में जीपीएस सिस्टम लगाना अनिवार्य है। ✻ सभी एंबुलेंस में आपात स्थिति के लिए आक्सीजन, स्ट्रेचर, मेल नर्स एवं अन्य आवश्यक चिकित्सकीय संसाधन अनिवार्य है।

इंजीनियर की बेवकूफी से झुलसे पति-पत्नी

सांप भगाने टैंक में डाला था पेट्रोल, दूसरे दिन देखने के लिए जलाई थी माचिस

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली के शांतनु विहार के एक मकान में हुए धमाके में एक दंपति झुलस गए। स्थानीय रहवासियों ने दंपती को बड़े अस्पताल भिजवाया। जहां से दोनों को इंदौर रेफर किया गया है। हालांकि मामले में कोतवाली पुलिस को भी ज्यादा जानकारी नहीं है।

स्थानीय रहवासी पंकज बुलचंदानी और मानवेन्द्र सिंह ने बताया की शनिवार को विशाल उम्र 45 साल के मकान में बने पानी के टैंक में सांप घुस गया था। किसी ने उन्हें सलाह दी थी कि टैंक में पेट्रोल डाल दो, इसकी गंध से सांप भाग जाएगा। विशाल और इनकी पत्नी परिधि ने बताई गई सलाह पर रात को टैंक में पेट्रोल डाल दिया। सांप टैंक से निकला की नहीं, यह देखने के लिए दंपती ने रविवार सुबह माचिस जलाकर चेक किया। इसी दौरान धमाका हो गया। इस धमाके में विशाल और उनकी पत्नी परिधि झुलस गए। धमाके की आवाज सुनकर पड़ोसी पहुंचे और दोनों को बड़े अस्पताल भिजवाया। बताया जा रहा है कि पेट्रोल डालने के बाद टैंक में ज्वलनशील गैस जमा हो गई थी, सुबह जैसे ही दंपती ने माचिस जलाई धमाका हो गया। बड़े अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार विशाल करीब 35 फीसदी और उनकी पत्नी परिधी 15 फीसदी झुलस गई। डॉक्टरों की सलाह पर दोनों को बेहतर उपचार के लिए इंदौर रेफर किया गया है। हालांकि पुलिस को दिए बयान में दंपती ने कचरा जलाते वक्त हादसे का शिकार होना बताया है। जानकारी के मुताबिक दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इनमें से विशाल पीडब्ल्यूडी में इंजीनियर होने की बात बताई गई है।

सिंगिंग स्टॉर बनने की चाह में पागल हो रहे लोग

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। ब्लू व्हेल, पब्जी जैसे ऑन लाईन एप्लीकेशन के चक्कर में कई लोग पागल हो गए। उस दौरान आत्महत्याओं के मामले भी सामने आए। अब ऐसा ही एक जादूगर आया है स्टॉर मेकर एप्लीकेशन के नाम से। सिंगिंग स्टार बनने के चक्कर में लोग पूरी तरह से इस एप्लीकेशन में खोकर लगभग पागल हो रहे हैं। स्थिति यह है कि महिलाएं भी इस एप्लीकेशन का शिकार हो रही हैं। मंदसौर में ही इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं, जहां परिवार भी बर्बाद हो गए है।

सिंगिंग के नाम पर एक एप्लीकेशन इन दिनों चल रही है। जिसका नाम है स्टॉर मेकर। गाने के शौकीन लोग ज्यादातर महिलाएं इस एप्लीकेशन में पागलपन का शिकार बन रही है। इस एप्लीकेशन में एल्गोरिथम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए आपकी वॉइस एंड सिंगिंग को बेहतर बना दिया जाता है और यूजर को कई सारे वर्चुअल गिफ्ट सेंड कर दिए जाते हैं। इस एप्लीकेशन में वोट आईडी का उपयोग किया जाता है जो की एप्लीकेशन द्वारा बनाई गई फर्जी आईडी होती है। इन आईडी द्वारा यूजर को लाइक कमेंट और शेयर किया जाता है। इस एप्लीकेशन में धीरे-धीरे यूजर को टास्क दिए जाने लगते हैं जो की लाइव सिंगिंग करना, गेम खेलना, पार्टी रूम बनाना और उसमें परफॉर्मेंस देना, कई लोगों के साथ में बैठकर लाइव बातें करना यह सब इस एप्लीकेशन के टास्क होते हैं। धीरे-धीरे यूजर इसमें फंसकर पूरा दिन और पूरी रात इस एप्लीकेशन में परफॉर्म करने लगता है।

मंदसौर में भी इस तरह के केस सामने आए है। जिसमें महिलाओं के इस एप्लीकेशन के चक्कर में पड़ने के कारण परिवार बर्बाद हो गया है। सीधे सरल भाषा में बात करें तो इस एप्लीकेशन में कुछ मित्र एक साथ ग्रुप में जुड़ जाते हैं। इसमें देश में कहीं की भी महिलाएं और पुरुष होते हैं। एप्लीकेशन इस तरह से फर्जी फालोअर्स देकर एडीक्ट बना देती है कि रात को तीन से चार बजे तक एप्लीकेशन में लोग उलझे रहते हैं। इस मामले में एक सामाजिक कार्यकर्ता ने शिकायत भी की है।

लालच में एडिक्ट हो रहे लोग...

फॉलोअर्स रैंक और गिफ्ट बढ़ाने के लालच में यूजर धीरे-धीरे इस एप्लीकेशन का एडिक्ट बन जाता है। जबकि, फॉलोअर्स सभी फर्जी है। जो तकनीक की मदद से खुद ब खुद बढ़ रहे हैं। खेलने वाला इस एप्लीकेशन के द्वारा बनाई गई एक मायाजाल दुनिया में खो जाता है। ऐसे केसेस अंचल में भी देखने को मिल रहे हैं। जिसमें महिलाएं पूरा दिन, पूरी रात इस एप्लीकेशन में लगी रहती है। जिससे वह एक वर्चुअल दुनिया में खोकर इसी एप्लीकेशन को अपनी दुनिया मान लेती है। धीरे-धीरे यूजर इसमें शिंजो प्रेनिया डिमेंशिया का शिकार हो जाता है। इस प्रकार यह एप्लीकेशन कई परिवार को बर्बादी की कगार पर लाकर खड़ा कर दे रही है। यह एप्लीकेशन इंसान के दिमाग में डोपामाइन जैसे जैसे फील गुड हारमोंस के साथ में रिएक्शन क्रिएट करती है।

मंदसौर की राजनीति में बढ़ी उठापटक की संभावना

कमलनाथ के भाजपा का दामन थामते ही बदल सकते हैं कई समीकरण

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस सरकार का तख्ता पलट होने के बाद मंदसौर जिले विशेषकर सुवासरा विधानसभा की राजनीति में बड़ा बदलाव आया। जहां पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार का सिक्का बोलता था। वहीं मंत्री बनने के साथ ही हरदीपसिंह डंग सुवासरा की राजनीति में छाने लगे। फिर से टिकीट लाकर विधायक बने। इसी तरह से मंदसौर जिला मुख्यालय में भी एक बार फिर उठापटक की संभावना बनती दिख रही है।

यहां स्पष्ट है कि मंदसौर विधायक विपीन जैन को टिकिट दिलवाने में कमलनाथ का प्रमुख योगदान है। ऐसे में विपीन को कमलनाथ समर्थक कहें तो गलत नहीं होगा। अगर कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने के साथ ही विपीन जैन भी भाजपा का दामन थाम लेते हैं तो आश्चर्य नहीं होगा। जिस तरह ज्योतिरादित्य सिंधीया के साथ कांग्रेस छोड़ने वाले हरदीपसिंह डंग को भाजपा में शामिल होने के बाद उप चुनाव में मैदान में उतारा गया। उसी तरह से संभवत: सशर्त भाजपा में शामिल होने वाले कमलनाथ अपने साथ भाजपा में आने वाले विधायकों को भाजपा से चुनाव लड़ाएगे। यह भी हो सकता है कि कांग्रेस के 66 में से एक तिहाई विधायक टूटते है तो फिर उपचुनाव नहीं होंगे। सभी विधायको को मान्यता मिल जाएगी। यदि उपचुनाव होते है तो भाजपा के गढ़ में अगर विपीन जैन सीट निकालकर भाजपा विधायक बनते हैं तो कईयों की राजनीति की दशा और दिशा बदल सकती है।

[क्या विपीन भी चलेंगे हरदीप की राह...?]

मंदसौर में चरितार्थ हो सकता है 'एक थी कांग्रेस..!'

विपीन जैन ने जिलाध्यक्ष और उसके बाद विधायक बनते ही युवा नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने साथ खड़ा कर लिया है। वरिष्ठ नेताओं से जरुर उनकी दूरी देखी जा रही है। लेकिन, एनएसयूआई और युकां से जुड़े नेताओं को विपीन जैन का साथ पसंद आ रहा है। ऐसे में अगर विपीन भाजपा में आते हैं तो बड़ी संख्या में उनके साथ युवा नेता भी शामिल होगें। ऐसे में जिलेभर में राजनीतिक समीकरण ऊपर-नीचे होना तय है।

शहर में एक साथ चैन स्नैचिंग की दो वारदात

ईरानी गैंग की करतूत की आशंका

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर में रविवार शाम दो स्थानों पर चैन स्नैचिंग की वारदात हुई। दोनो मामलो में पुलिस सीसीटीवी से आरोपियों को खोज रही है। यह वारदात ईरानी गैंग द्वारा की जाने की प्रतीत हो रही है।

शहर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी अनुसार शहर के खानपुरा प्रतापगढ़ पुलिया पर अपाचे बाइक पर आए दो बदमाशो ने एक महिला के गले में हाथ डालकर उसकी सोने की चैन खींच ली। बाद में इन्ही बदमाशो ने शगुन गार्डन के सामने स्टेशन रोड से भी एक महिला के गले से मंगलसूत्र खींच लिया। दोनो मामलो में आरोपी एक ही अपाचे बाइक पर आए थे। पुलिस अब दोनो बाइक सवार बदमाशो को तलाश रही है।

उठावना

स्वर्गीय श्री सोभाग्यमल जी जैन (दैनिक दशपुर दर्शन) की पुत्र वधु, स्वर्गीय श्री धीरज जी जैन की धर्मपत्नी, अनिल जी जैन की भाभी, नकुल जैन की बड़ी मम्मी

श्रीमती किरण जैन

का स्वर्गवास दिनांक 17 फरवरी, 2024 को हो गया है। जिनका उठावना **दिनांक 19 फरवरी, 2024 को सुबह 10.30 बजे जीवागंज स्थित स्थानक, मन्दसौर** पर रखा गया है।

(बैठक प्रतिदिन सायं 7 से 8 बजे तक निवास स्थान जीवागंज पर रहेगी।)

✻✻✻✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻✻✻✻

अनिल जैन, नकुल जैन एवं समस्त निम्बोद वाला परिवार

कांग्रेस संगठन और शीर्ष नेतृत्व की दुर्गति कर रहे हैं या अपनी करा रहे हैं कमलनाथ..!

मंदसौर/उज्जैन, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कमलनाथ कांग्रेस के ऐसा नेता है, जिन्हें कांग्रेस में गांधी परिवार के सदस्य जितना सम्मान संगठन में दिया जाता रहा है। यहां तक की खुद पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने छिंदवाड़ा की आमसभा में सार्वजनिक कहा था कि मैं अपने तीसरे बेटे को आपके हवाले कर रही हूं। किसी भी कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारी के लिए ऐसा वाक्य बहुत ही सम्मान रखता है। आज वही कमलनाथ अपनी निजी राजनीतिक गतिविधियों से देश भर में कांग्रेस को दुर्गति का पात्र बना रहे हैं। खबर लिखे जाने तक कांग्रेस त्याग कर भाजपा में चले गए हैं या जा रहे हैं या नहीं जाएंगे? कुछ भी स्पष्ट नहीं है।

इधर भाजपा ने तो बाकायदा कांग्रेस तोड़ो अभियान चला रखा है। प्रदेश से लेकर अपने क्षेत्र के अपने स्तर के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को भाजपा के सदस्यता दिलाना है। इस अभियान के दौरान याने अभी भाजपा में शामिल होने वाले विपक्षियों को भाजपा दिल से स्वीकार करेगी और बाद में आने वालों को परिस्थिति वश समझौता करने वाले मेहमान। इसी कारण वार्ड, ब्लॉक, विधानसभा क्षेत्र से अनेकों पदाधिकारी भाजपा मे प्रतिदिन शामिल हो रहें हैं। कमलनाथ जैसा नाम अगर भाजपा में समाहित होता है तब यह निश्चित माना जाए कि उनके साथ भी ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरह डेढ़ दो दर्जन कांग्रेसियों की टीम जाएगी। ताकि भाजपा में इनका भी सिंधिया की तरह वजूद स्थापित हो जाए। इस बदलते राजनीतिक दृश्य में भाजपाई खेमे में ज्यादा तो कांग्रेस में कम विचलन भी साफ नजर आ रही है। भाजपा के अपने पुश्तैनी कार्यकर्ताओं में इस बात की विचलन बढ़ रही है कि आने वाले कांग्रेसियों के कारण स्थाई भाजपायों के हक निश्चित ही बट जाएंगे। जैसे सिंधिया की टीम के प्रवेश के समय वरिष्ठ भाजपा नेता सत्यनारायण सत्तन ने खुलकर आयातितों का विरोध किया था। इसी कारण से बाद में पूर्व विधायक भंवर सिंह शेखावत ने भी भाजपा को त्यागा था, वे भी आज कांग्रेस के विधायक हैं।

चन्द्रमोहन भगत

भाजपा पहले भी सिंधिया समर्थकों की वापसी का धोखा सहेजें हुए हैं। कमलनाथ के साथ आने वाले भी अगर शर्तों के साथ आ रहे हैं तो भविष्य में बीजेपी को आहत करेंगे ही। चर्चाओं पर भरोसा करें तो कमलनाथ की अपने समर्थकों के लिए रखी शर्त के कारण ही अभी तक बात नहीं बन पाई है। यह भी सच है की सिंधिया की टीम के समावेश ने कांग्रेस सरकार गिरा कर भाजपा की सरकार बनवा दी थी। कमलनाथ समर्थको की टीम आने से वर्तमान में कोई बड़ा लाभ भाजपा को नहीं मिल रहा है। इसी कारण राजनीति में बहुत बड़ा नाम होने के बाद भी कमलनाथ को लेकर भाजपा में कोई उत्साह नहीं है। कांग्रेस में जरूर स्थानीय संगठन से लेकर शीर्ष नेतृत्व को सार्वजनिक मंचों पर दुर्गति का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से लेकर प्रदेश के जिला संगठन पदाधिकारी को भी सच मालूम नहीं है और जवाब देना मुश्किल हो रहा है। इतनी दुर्गति और दुविधा भरी स्थिति से कांग्रेसियों को तभी निजात मिलेगी जब यह स्पष्ट हो जाएगा की टीम कमलनाथ कांग्रेस में है या भाजपा में..?

विचार-मंथन

निष्पक्षता पर फोकस

चुनावी बॉन्ड स्कीम को बैन करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला तात्कालिक और दूरगामी, दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण है। इससे राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे और उसके तरीके पर तो तुरंत असर पड़ेगा ही, राजनीति में पारदर्शिता और लोकतंत्र में जनता के सूचना के अधिकार की अहमियत भी रेखांकित हुई है। लोकसभा चुनाव से कुछ समय पहले आए इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड को लाने के लिए कानूनों में किए गए बदलावों को असंवैधानिक ही नहीं घोषित किया है, इन प्रावधानों के असर को काटने वाले उपायों के साथ समय सीमा भी जोड़ी है। फैसले के मुताबिक, 12 अप्रैल 2019 के बाद चुनावी बॉन्डों के जरिए आए चंदे से जुड़े सारे डीटेल्स 13 मार्च 2024 तक चुनाव आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक हो जाने चाहिए। मतलब यह कि अप्रैल-मई में संभावित चुनावों में राजनीतिक दलों की प्रचार शैली पर भी इस फैसले का कुछ न कुछ प्रत्यक्ष या परोक्ष असर हो सकता है। मगर फैसले की ज्यादा अहमियत इस बात में है कि इसने चुनाव सुधार के मार्गदर्शक सिद्धांतों को एक बार फिर स्पष्ट किया है। ध्यान रहे, चुनावी बॉन्ड स्कीम के पक्ष में एक दलील यह भी थी कि इससे राजनीतिक दलों को कैश में चंदा देने की प्रवृत्ति कमजोर होगी। इस लिहाज से सुप्रीम कोर्ट का फैसले में यह दर्शाना महत्वपूर्ण है कि मूल बात पारदर्शिता है और नागरिकों को पता होना चाहिए कि राजनीतिक दलों को कौन पैसा दे रहा है। अगर विपक्षी दल इस फैसले से अति उत्साहित दिख रहे हैं तो उसकी अपनी वजह है। उन्हें लग रहा था कि चुनावी बॉन्ड स्कीम फंड के फ्लो को सत्ताधारी पार्टी की तरफ मोड़ने और उनके स्रोतों को सुखा देने के कथित मकसद से प्रेरित है। उनका यह भी कहना है कि इसी वजह से सरकार ने रिजर्व बैंक और चुनाव आयोग की राय की अनदेखी की। 2017 में रिजर्व बैंक ने आगाह किया था कि शेल कंपनियां चुनावी बॉन्ड का दुरुपयोग मनी लॉन्ड्रिंग के लिए कर सकती हैं। 2019 में चुनाव आयोग ने भी इस स्कीम को चंदों में पारदर्शिता के लिहाज से पीछे ले जाने वाला कदम बताया था। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने एक बार फिर स्थापित किया है कि लोकतंत्र में सभी दलों को लेवल प्लेइंग फील्ड सुनिश्चित करना जरूरी है। कुल मिलाकर देखा जाए तो आरोप-प्रत्यारोप से अलग, इस फैसले ने उन शिकायतों को दूर किया है, जिनसे कुछ लोगों के मुताबिक चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हो रही थी। इस लिहाज से फैसले ने लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बढ़ाया है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए।

जाम से रेंगते शहरों का समाधान

(केके पांडेय, अर्बन मैनेजमेंट, आईआईपीए)

सड़क जाम जैसी समस्या पहले महानगरों के हिस्से ही थी। छोटे शहर व कस्बे इससे मुक्त थे। मगर अब छोटे-बड़े नगर भी इससे पस्त होने लगे हैं। लखनऊ, पटना, रांची, देहरादून जैसे मध्यम श्रेणी के शहरों में भी सड़कों पर गाड़ियां रेंगती नजर आती हैं। स्थिति यह है कि जो चौक-चौराहे कभी इन शहरों की पहचान हुआ करते थे, आज वे जाम के कुख्यात केंद्र बन गए हैं। महानगरों में एलीवेटेड रोड, फ्लाई ओवर, अंडरपास जैसे नव-निर्माण से जाम की समस्या का कुछ हद तक हल निकाला जा सकता है, निकाला जाता भी है, मगर मध्यम व छोटे शहर बड़े पैमाने पर ऐसा नहीं कर पा रहे। फिर इन नगरों में जाम का चरित्र भी अलग-अलग है। भारत में सड़क जाम की समस्या व्यापक है। 10 लाख से अधिक आबादी वाले नगर इससे सर्वाधिक पीड़ित हैं। अमूमन सड़कों की दुर्व्यवस्था व अनुशासित परिचालन के अभाव के कारण ऐसा होता है। अपने यहां सड़कों की मरम्मत ही तभी की जाती है, जब वे धंसती या टूटती हैं, जबकि यह काम नियमित तौर पर होना चाहिए। हालांकि, फुटपाथ का न होना या उस पर अतिक्रमण भी एक बड़ी समस्या है, जिसके कारण पैदल यात्री सड़कों पर चलने को मजबूर होते हैं। सड़क जाम हमें कई तरह से प्रभावित करता है। इससे शहरों की आबोहवा तो प्रदूषित होती ही है, अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। अनुमान है, भारत में सड़क जाम के कारण पड़ने वाले दुष्प्रभावों से देश को

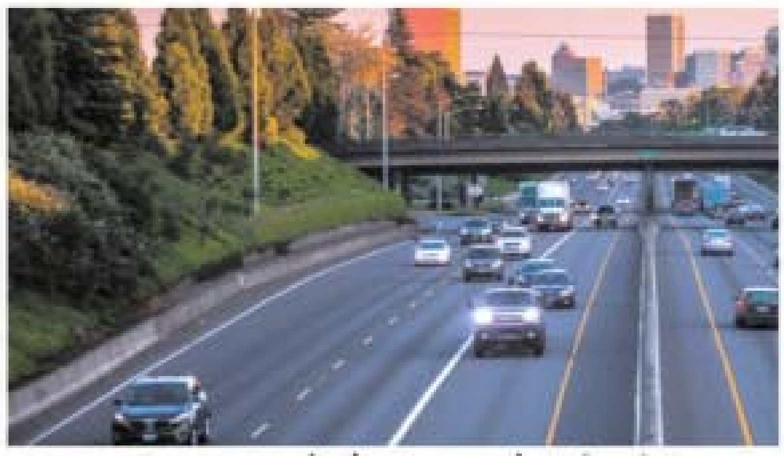

40.7 अरब डॉलर का नुकसान होता है। इतना ही नहीं, परिवहन मंत्रालय के एक आंकड़े के मुताबिक, मुख्यतः जाम से साल 2021 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में तकरीबन 67,000 दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 15,000 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई, जबकि 58,000 से अधिक गंभीर रूप से चोटिल हुए। महानगरों जैसी समस्याएं अब लखनऊ, पटना, रांची, जमशेदपुर जैसे मध्यम श्रेणी के शहरों में भी दिखने लगी हैं। यहां भी अवैध कॉलोनियों का बेतरतीब विस्तार हो रहा है। शहरी नियोजन के अभाव में छोटी-छोटी गलियां बन जाती हैं, जो मुख्य सड़कों को प्रभावित करती हैं। यहां सार्वजनिक परिवहन में सुधार करना होगा। अमूमन जब कभी सार्वजनिक परिवहन की बेहतरी की बात उठती है, तो हर शहर मेट्रो मांगने लगता है। मगर मेट्रो के बजाय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का इस्तेमाल अधिक व्यावहारिक है, जिसमें अलग-अलग शहरों की जरूरतों के मद्देनजर अलग-अलग सार्वजनिक परिवहन को विस्तार देने की बात कही गई है। ये परिवहन-माध्यम बस, लाइट रेल ट्रांजिट (एलआरटी), मोनो रेल, मेट्रो कुछ भी हो सकते हैं। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय परिवहन शहरी नीति की भांति राज्य भी एक अलग नीति बनाए, जो शहरों की अपनी प्रकृति के मुताबिक हो। मध्यम व छोटे शहरों में यातायात के प्रबंधन की भी भारी कमी है। प्रति एक लाख आबादी पर 40 से 60 सार्वजनिक बसों का होना आदर्श माना जाता है, लेकिन लखनऊ में यह आंकड़ा महज छह बसों का है। बेंगलुरु में प्रति लाख आबादी पर सर्वाधिक 45 बसें हैं। सरकारी व निजी बसों को यदि मिला भी दें, तो अपने देश में राष्ट्रीय स्तर पर एक लाख की आबादी पर सिर्फ 24 बसें उपलब्ध हैं। इसका अर्थ है कि हमें एक तरफ सड़कों का चौड़ीकरण या विस्तार करना होगा, फ्लाई ओवर या एलीवेटेड रोड बनाने होंगे, तो दूसरी तरफ यातायात व्यवस्था का भी उचित प्रबंधन करना होगा। इन कामों में संसाधन की कमी कोई समस्या नहीं है। मसला नियोजन और क्रियान्वयन के मोर्चे पर है। सड़क जाम से निपटने के लिए आम लोगों की मानसिकता को भी हतोत्साहित करना होगा। यह कोई आसान काम नहीं। आंकड़ों के मुताबिक, मुंबई में आधी से अधिक सड़कों पर निजी कार वालों का कब्जा है, जबकि 28 फीसदी हिस्सेदारी मोटरसाइकिल वालों की है। पटना, लखनऊ, रांची जैसे नगरों की तस्वीर इससे अलग नहीं है। यहां तक कि सुदूर कस्बों में भी अब बड़ी-बड़ी गाड़ियां दिखने लगी हैं, जबकि वहां सड़कें एक लेन की हैं। गाड़ियों की संख्या बढ़ने की एक बड़ी वजह लोगों की बढ़ती समृद्धि है, जो एक लिहाज से सुखद है, लेकिन सार्वजनिक परिवहन के अभाव में वे गाड़ियां खरीदना पसंद करते हैं, ताकि उनका आवागमन आरामदेह हो। इस प्रवृत्ति को हमें खत्म करना है, जिसके लिए सार्वजनिक परिवहन के पर्याप्त विकल्प लोगों को उपलब्ध कराने होंगे। ऐसा करना सिर्फ छोटे और मध्यम श्रेणी के शहरों में नहीं, बल्कि महानगरों में भी फायदेमंद है। रही बात सड़कों के चौड़ीकरण की, तो 'हस्तांतरणीय विकास अधिकार' (टीडीआर) जैसी नीति हमारे काम आ सकती है। यह इस अवधारणा पर आधारित है कि लोगों से उनकी जमीन का कुछ टुकड़ा सड़क-निर्माण में लिया जाए और बदले में उनको कुछ रियायतें दी जाएं। मसलन, जो अपनी जमीन सार्वजनिक उद्देश्य के लिए छोड़ेगा, उसे अपने मकान में अतिरिक्त एक मंजिल बनाने की अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा, सड़क विकास के लिए स्थानीय लोगों पर कुछ कर भी लगाए जा सकते हैं। एक विकल्प पुनर्निर्माण योजनाएं हो सकती हैं, जिसकी तरफ दिल्ली के प्रस्तावित मास्टर प्लान में कदम बढ़ाया गया है। इसमें जमीनों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित करने की बात कही गई है। महाराष्ट्र में धारावी क्षेत्र का भी इसी तरह पुनर्विकास किया जा रहा है। अन्य शहर भी ऐसा कुछ कर सकते हैं। इससे सड़कों के लिए जमीन मिल जाएगी व शहर भी साफ-सुथरा हो जाएगा। यातायात प्रबंधन के लिए अहमदाबाद जैसा प्रयोग किया जा सकता है, जिसने बसों के लिए अलग लेन बनाए। हालांकि, दिल्ली में यह 'बस रैपिड ट्रांजिस सिस्टम' (बीआरटीएस) सफल नहीं हो सका, लेकिन मध्यम व छोटे शहरों में ऐसा किया जा सकता है। मुमकिन हो, तो वहां कुछ सड़कों को 'सिंगल लेन' भी किया जा सकता है, यानी उस पर सिर्फ एक तरफ जाने वाले वाहन चलेंगे। नोएडा और गुरुग्राम में कुछ इलाकों में यह व्यवस्था अच्छे ढंग से काम कर रही है।

चुनावी चंदे के धंधे पर रोक लगाकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहतरीन फैसला दिया है

(रमेश सर्राफ धमोरा)

चुनाव आयोग के समक्ष करीबन 1900 पार्टियाँ पंजीकृत हैं। इनमें सैंकड़ों ऐसी पार्टियाँ हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा है। इससे यह साफ हो जाता है कि कुछ तो गड़बड़ जरूर है। देश के पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13 ए के तहत आयकर से छूट मिलती है। सुप्रीम कोर्ट ने आज एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं। अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम युनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजो की बेंच ने तीन दिनों तक लगातार सुनवाई करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ताओं में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), कांग्रेस नेता दया ठाकुर और माकपा शामिल है। याचिकाकर्ताओं ने केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। इस योजना को उसी समय चुनौती दी गई थी। लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि वह 30 मई 2019 तक एक लिफाफे में चुनावी बांड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें। हालांकि कोर्ट ने उस समय इस योजना पर रोक नहीं लगाई थी। बाद में दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिंताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। इस पर चुनाव आयोग ने भी अपनी नकारात्मक राय दी थी। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29(बी) का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के पहले केंद्र सरकार ने 5 फरवरी को लोकसभा को बताया था कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के माध्यम से 30 किश्तों में 16,518 करोड़ रुपये के चुनावी बांड बेचे गए हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था कि भारतीय स्टेट बैंक से खरीदे गए चुनावी बांड (चरण 01 से चरण 30) का कुल मूल्य लगभग 16,518 करोड़ रुपये है। चौधरी ने कहा था कि केंद्र ने पहले 25 चरणों के लिए चुनावी बांड जारी करने और भुनाने के लिए एसबीआई को 8.57 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। इसके अलावा इसने अब तक सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) को 1.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। चौधरी ने बताया था कि केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 को चुनावी बॉन्ड योजना को अधिसूचित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि स्वच्छ कर भुगतान किया गया पैसा उचित बैंकिंग चैनल के माध्यम से राजनीतिक फंडिंग की प्रणाली में आये।

एमएसपी गारंटी कानून की माँग आखिर कैसे किसान और देश के हित में नहीं है?

हम आपको बता दें कि किसानों का पिछला आंदोलन जहां मोदी सरकार के तीन कृषि कानूनों को रद्द करवाने के लिए था वहीं यह नया आंदोलन मोदी सरकार से एमएसपी गारंटी कानून बनवाने के लिए खड़ा किया जा रहा है। फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी की गारंटी देने वाला कानून बनाने की मांग को लेकर किसान एक बार फिर दिल्ली की ओर बढ़ रहे हैं। दिल्ली की ओर बढ़ने के सफर में यह आंदोलनकारी जिस तरह अवरोधकों को तोड़ रहे हैं और उत्पात मचा रहे हैं उससे साफ प्रदर्शित हो रहा है कि ये आंदोलनकारी लोग किसान हैं ही नहीं। क्योंकि किसान कभी उपद्रव नहीं मचाता, किसान कभी पुलिस पर पत्थर नहीं मारता, किसान कभी बंदूक नहीं लहराता, किसान कभी लाठियां नहीं भांजता। जिस तरह से ये आंदोलनकारी पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रहे है वह यह भी प्रदर्शित कर रहा है कि ऐन लोकसभा चुनावों के पहले यह आंदोलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार सत्ता में पहुँचने से रोकने के लिए ही खड़ा किया जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि हाल ही में भारत ने आरोप लगाया था कि कनाडा हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है। इसलिए प्रश्न उठता है कि कहीं कनाडा में सरकारी प्रोत्साहन पा रहे खालिस्तानी तत्वों द्वारा तो इस आंदोलन को हवा नहीं दी जा रही है? हम आपको बता दें कि किसानों का पिछला आंदोलन जहां मोदी सरकार के तीन कृषि कानूनों को रद्द करवाने के लिए था वहीं यह नया आंदोलन मोदी सरकार से एमएसपी गारंटी कानून बनवाने के लिए खड़ा किया जा रहा है। यहां सवाल उठता है कि यदि सरकार से कानून बनवाना था तो संसद सत्र के चलते समय क्यों नहीं सरकार से बात की गयी? अब जब 17वीं लोकसभा का कार्यकाल लगभग समाप्त हो चुका है तो सरकार कहां से कानून बना देगी? यहां सवाल यह भी उठता है कि क्या एमएसपी कानून बना देने से ही किसानों की सभी समस्याएं खत्म हो जाएंगी? अभी सरकार लगभग 22 फसलों का एमएसपी देती है। सवाल उठता है कि क्या यह सभी 22 फसलें किसान एमएसपी पर ही बेचते हैं? कई बार ऐसा होता होगा कि कई फसलें एमएसपी से भी कम या एमएसपी से ज्यादा दर पर बेची जाती होंगी। दरअसल फसलों के दाम बहुत हद तक हालात पर निर्भर करते हैं इसलिए एमएसपी घोषित होने के बावजूद उससे कम या ज्यादा दाम पर फसलें बेची जाती रही हैं। एमएसपी की मांग पर अड़े किसानों को यह भी देखना चाहिए कि मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में उनके लिए क्या किया है। कोरोना महामारी आई, कई देशों के युद्ध और संघर्ष के चलते वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई लेकिन देश में यूरिया के दाम नियंत्रण में रहे और किसानों की जेब पर बोझ नहीं पड़ने दिया गया। मोदी सरकार ने मिलेट्स को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने का अतिरिक्त प्रबंध भी किया। किसानों को समझना होगा कि एमएसपी से उनका वास्तविक भला नहीं होगा। उनका भला तब होगा जब उनकी कृषि लागत कम होगी और उनकी उपज बिना किसी बिचौलिये के मंडियों तक पहुँचेगी। किसानों का वास्तविक भला तब होगा जब वह स्टार्टअप के इस युग में अपने कृषि उत्पादों की मार्केटिंग करने का प्रयास करेंगे। किसानों को इस सबमें मदद के लिए सरकार पर दबाव बनाना चाहिए ना कि सभी फसलों के लिए एमएसपी गारंटी कानून जैसी अव्यवहारिक मांग करनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष — [illegible] शुभांक-2-4-6

वृषभ — [illegible] शुभांक-3-5-7

मिथुन — [illegible]

कर्क — [illegible]

सिंह — [illegible] शुभांक-3-5-7

कन्या — [illegible] शुभांक-2-4-7

तुला — [illegible]

वृश्चिक — [illegible]

धनु — [illegible] शुभांक-2-4-6

मकर — [illegible] शुभांक-1-5-8

कुंभ — [illegible]

मीन — [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5150

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5149

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

वर्ग पहेली 5150

संकेत: बाएं से दाएं

1. 14 अगस्त इस पड़ोसी देश का स्वाधीनता दिवस है (4)
4. उत्तरप्रदेश की लोकसभा की इस सीट से स्मृति ईरानी सांसद है (3)
6. दूल्हा-दुल्हन (4)
7. दस्तावेज लिखित, [illegible] (3)
8. अगर, जो (2)
10. आपत्ति, आक्रमण (2)
12. निश्चय, अनुमान योग्य वस्तु, अनुमेय (2)
13. अधिकार, स्वामित्व, इख्तियार (2)
14. [illegible] (4)
16. मक्खन, माखन (4)
17. मुगलकाल में प्रवेश का प्रमाणात्मक पत्र कहलाता था (3)
19. दिनांक, तारीख (2)
21. घोड़े की पीठ पर रखने की गद्दी (2)
22. गेहूं की तरह एक प्रसिद्ध अन्न (1)
23. लहू, रुधिर (2)

ऊपर से नीचे

1. कुंती का एक नाम पृथा भी था इनके पुत्र युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन ये तीनों को यह कहा जाता है पर अधिकतर अर्जुन के लिए यह कहा जाता है (2)
2. स्तुति गायक को यह भी कहा जाता है (3)
3. [illegible], अनैतिक (3)
4. न्याय के विरुद्ध कार्य, अनैतिक (3)
5. उपयुक्त, युक्ति संगत, मर्यादानुकूल (2)
7. तंत्र-मंत्र विधि से बनाया यंत्र (5)
9. मैत्री, दोस्ती, याराना, [illegible] (5)
10. रहने का तरीका या ढंग, गिरवी रखना (3)
11. समय, बेला (2)
14. फैलाव या तनाव होने की स्थिति यह भी कहलाती है (3)
15. आदत, जड़हन के खेत में रोपी हुई धान की जूरी, समुद्र में ऊंची उठती लहर (2)
18. निर्मित या रचित होना, अस्तित्व प्रदान होना, काम के योग्य होना (3)
20. गतिहीन, स्थिर, अचल, न हिलने वाला (2)

वर्ग पहेली 5149 का हल

स	श	लीं	मा	न	स	वी	न
ब	न	मा		ज	ल	ज	
ला	म		सा	फ		न	न
	क	बी	र		मा	ल	वा
इ	दा	र		आ	ला		य
मा		य	द	न		री	आ
प	ह	ल		बा	ग		वा
शि	ल		श्री	न	गर		

तेंदूपत्ता संग्राहकों को पिछले 10 सालों में मिला 2000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पारिश्रमिक

नीमच, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। तेंदूपत्ता संग्राहक जनजातीय परिवारों को सामाजिक सुरक्षा चक्र मजबूत करते हुए उन्हें पिछले 10 सालों में 2000 करोड़ रुपये प्रोत्साहन पारिश्रमिक के रूप में दिये जा चुके हैं। तेन्दूपत्ता संग्राहकों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिये उन्हें संबल योजना में शामिल किया गया है।राज्य सरकार ने लघु वनोपजों के संग्रहण से जुडे परिवारों के हित में सकारात्मक कदम उठाते हुए निर्यात को बढ़ावा देने के लिये आदिवासी बहुल जिलों को जैविक प्रमाण-पत्र देने की तैयारियां चल रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े जनजातीय परिवारों की आर्थिक सुरक्षा के लिये तेंदूपत्ता संग्रहण दर 3000 रूपये प्रति मानक बोरा से बढ़ा कर 4000 रूपये प्रति मानक बोरा कर दी गई है। वर्ष 2003 में संग्रहण दर 400 रूपये प्रति मानक बोरा थी। इस निर्णय के परिणामस्वरूप संग्राहकों को लगभग 560 करोड़ रूपये का संग्रहण पारिश्रमिक के रूप में वितरित किया गया है।

संग्रहण पारिश्रमिक के साथ-साथ तेन्दूपत्ता के व्यापार से प्राप्त शुद्ध लाभ भी संग्राहकों के साथ बांटा जाता है। यह लाभांश भी बढ़ाया जा रहा है। वर्ष 2003 में जहाँ शुद्ध लाभ का 50 प्रतिशत अंश संग्राहकों को बोनस के रूप में वितरित किया जाता था, अब 75 प्रतिशत भाग बोनस के रूप में संग्राहकों को वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2002-03 में वितरित बोनस की राशि 5.51 करोड़ रूपये थी जबकि वर्ष 2022-23 में वितरित बोनस की राशि 234 करोड़ रूपये है। वर्तमान में लगभग 15 लाख परिवारों के 38 लाख सदस्य लघु वनोपज संग्रहण कार्य से जुड़े हैं। इनमें 50 प्रतिशत से ज्यादा जनजातीय समुदाय के हैं। उनहें बिचौलियों के शोषण से बचाने और उनकी संग्रहित लघु वनोपज का लाभ दिलाने के लिए सहकारिता का त्रिस्तरीय ढांचा बनाया गया है। इसमें प्राथमिक स्तर पर 15.2 लाख संग्रहणकर्ताओं की सदस्यता से बनायी गयी 10 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियां है। द्वितीय स्तर पर 51 जिलों में जिला स्तरीय यूनियन तथा शीर्ष स्तर पर म.प्र. राज्य लघु वनोपज संघ कार्यरत है।

कोरोना काल में भी तेन्दूपत्ता संग्राहकों को परिश्रमिक 397 करोड़ रूपये एवं 415 करोड़ रूपये भुगतान किया गया। तेन्दूपत्ता श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के लिये 2011 में 'एकलव्य वनवासी शिक्षा विकास योजना' प्रारंभ की गयी। मेधावी बच्चों को सहायता राशि दी जाती है। अभी तक 15,026 छात्रों को 14 करोड़ रूपये से अधिक की सहायता राशि दी जा चुकी है।वर्ष 2004-05 में लघु वनोपज प्रसंस्करण एवं अनुसंधान केंद्र बरखेड़ा पठानी की स्थापना की गई थी। इसे लघु वनोपज आधारित 840 औषधियां बनाने का लाईसेंस मिला है और 350 औषधियों का निर्माण किया जा रहा है। लघु वनोपज संग्राहकों को वनोपज का उचित मूल्य दिलाने हेतु राज्य शासन द्वारा 32 प्रमुख लघु वनोपजों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी घोषित किया गया है ताकि यदि बाजार में उचित मूल्य न हो तो संग्राहक को वनोपज का उचित मूल्य मिल सके।लघु वनोपज संग्राहकों की आय बढ़ाने के लिये प्रसंस्करण पर भी ध्यान दिया जा रहा है तथा प्रदेश में प्रधानमंत्री वन विकास योजना के तहत 126 वनधन केन्द्रों की स्थापना की स्वीकृति दी जा चुकी है। इनमें से लगभग 70 वन धन केन्द्रों द्वारा प्रसंस्करण उत्पाद निर्माण का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।पेसा कानून में 20 जिलों की 268 ग्राम सभाओं में वर्ष 2022-23 से पेसा नियमों के तहत संग्रहण के संकल्प प्राप्त हुए तथा संग्रहण वर्ष 2023-24 में 13363 मानक बोरा तेंन्दूपत्ता संग्रहित किया जाकर 7.19 करोड़ रूपये का व्यापार किया गया। इस प्रकार प्रथम वर्ष के अनुभव से ग्राम सभाओं को लघु वनोपज व्यापार का अनुभव प्राप्त हुआ, तेंदुपत्ता संग्रहण एवं विपणन हेतु आत्मविश्वास मिला तथा इस वर्ष 229 ग्राम सभाओं द्वारा तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य प्रारंभ हुआ।

बच्चों की भाषाई समझ एवं संख्या ज्ञान का पता लगाने के लिए डाइट के छात्राध्यापक करेंगे वार्षिक आंकलन

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के कक्षा 2 एवं 3 में अध्ययनरत बचो की भाषाई समझ एवं संख्या ज्ञान का पता लगाने के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के मार्ग दर्शन एवं कलेक्टर महोदय के निर्देशन में जिले में दिनांक 19 से 23 फरवरी 2024 के मध्य चयनित शालाओ में कक्षा 2 एवं 3 के विद्यार्थियों का ऑनलाइन एप के माध्यम से आकलन किया जावेगा इस हेतु जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के छात्राध्यापक फिल्ड इन्वेस्टिगेटर (एफ आई) का कार्य करेंगे।

उक्त एफआई को डाइट मंदसौर में राज्य शिक्षा केन्द्र से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। उपरोक्त प्रशिक्षण संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के प्रतिनिधि संयुक्त संचालक डॉ. संजय पटवा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आयोजित किया गया, आपके द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि सर्वे का कार्य पूर्ण शुचिता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाते में प्रशिक्षित एफआई को दिनांक 17 फरवरी 2024 को कुछ चुनिंदा शालाओं में भेजकर सर्वे कैसे किया जाते इसके बारे में उन्हे अभ्यास करवाया गया तथा मौके पर ही उत्पन्न समस्या का निराकरण किया गया। अब ये सभी एफआई 19 जनवरी को गरोठ, भानपुरा विकासखण्ड में तथा 20 फरवरी को सीतामऊ विकासखंड में, 21 फरवरी को मंदसौर एवं मल्हारगढ विकासखंड की चयनित शालाओ में जाकर शिक्षा एमपी एप्प पर प्रदाय की गई आकलन सामग्री के द्वारा छात्रों का आकलन करेंगे। उक्त आकलन के सुगम संचालन हेतु एफआई के सहयोग हेतु जिले से एपीसी/बीआरसीसी/डाइट फैकल्टी/बीएसी/सीएसी को आदेशित किया गया है। उपरोक्त आकलन प्रक्रिया से मिशन अंकुर के क्रियान्वयन के साथ जिले की वर्तमान की स्थिति का पता चल सकेगा।

समाधान आपके द्वार शिविर का आयोजन 21 को

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार चल रहे समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के तत्वाधान में 21 फरवरी 2024 को संजय गांधी उद्यान मंदसौर शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, क्षेत्रीय परिवहन विभाग के सहयोग से आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, लर्निंग लाइसेंस आदि बनवाए जाने अथवा संशोधन किया जाएगा।

जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री हर्ष सिंह बहरावत ने बताया की समाधान आपके द्वार योजना का आयोजन संपूर्ण मध्य प्रदेश में किया जा रहा है। इसके अंतर्गत राजस्व, पुलिस, वन, नगर निकाय, विद्युत विभागों के एवं न्यायालय में लंबित शमनीय मामले तथा अन्य प्रिलिटिगेशन मामलों का त्वरित एवं सुलभ निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया की उपरोक्त विभागों से संबंधित किसी भी समस्या हेतु संबंधित विभाग से योजना अंतर्गत संपर्क कर सकते है, या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के कार्यालय में आवेदन कर सकते है। शिविर में अधिक से अधिक संख्या में आकर अपने दस्तावेज बनवाएं अथवा संशोधन करवा सकते है।

कलेक्टर आज ई-जनसुनवाई करेंगे

नीमच, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन आज 19 फरवरी 2024 सोमवार को प्रातः 10.30 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में ई-जनसुनवाई करेंगे। कलेक्टर श्री जैन ई-जनसुनवाई में नीमच क्षेत्र की ग्राम पंचायत केलुखेडा, सिरखेडा, नेवड, सोनियाना एवं मुंडला से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद कर,ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण करेंगे।

मराठा समाज द्वारा शिवाजी जयंती का खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं से किया शंखनाद, माल्यार्पण एवं वाहन रैली आज

नीमच, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। क्षत्रिय मराठा समाज नीमच के तत्वाधान में मराठा समाज के महान वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी जयंती महोत्सव का शुभारंभ 18 फरवरी को दोपहर 1 बजे तुलजा भवानी मंदिर में पूजा अर्चना पुष्प अर्पित कर तथा शिवाजी के चित्र पर माल्यार्पण सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ किया गया। सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में शिवाजी जयंती महोत्सव चोरडिया अस्पताल के पीछे मां तुलजा भवानी मंदिर परिसर में महिलाओं एवं बच्चों की विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक खेल प्रतियोगिता के निर्णायक माधवी जाधव, शेफाली सपरे ने बताया कि ड्राइंग प्रतियोगिता में नव्या जाधव प्रथम, विधि शिंदे द्वितीय विजेता रही।प्रोत्साहन में शिवन्या जाधव ,आरोही जाधव, जीविका जाधव ,ओजस्वी सप्रे, आदि ने श्री कृष्णा शिवाजी, तिरंगा सिनसिनहरी जैसे विभिन्न विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।तथा रंगोली प्रतियोगिता में नेहा जाधव प्रथम, रचना द्वितीय विजेता रही। इसी प्रकार सातवन्ना पुरस्कार में निष्ठा जाधव जय श्री जाधव ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। बच्चों ने गणपति कृष्णा गाय कृष्ण स्वागत करती पुष्पांजलि एवं फूल की रंगोली बना अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिवाजी जयंती महोत्सव की पावन श्रृंखला में आज 19 फरवरी सोमवार सुबह 9:30 बजे पिपली चौक नीमच सिटी स्थित शिवाजी प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात वाहन रैली का शुभारंभ होगा वाहन रैली नीमच सिटी, सांवरिया मंदिर, बस स्टैंड, फव्वारा चौक, कमल चौक विजय टॉकीज चौराहा, अजमीड जी चौराहा आदि प्रमुख मार्गो से होते हुए एलआईसी चौराहा के समीप चोरडिया अस्पताल के पीछे माता तुलजा भवानी मंदिर पर पहुंचकर विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में परिवर्तित हो जाएगी। इसके साथ ही सोमवार सुबह 11:45 बजे माता तुलजा भवानी की

आरती सभी समाज जनों की उपस्थिति में की जाएगी। तथा12बजे वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतापगढ राजस्थान के समाजसेवी अशोक कुमार शर्मा होंगे। तुलजा भवानी मंदिर पर आयोजित कार्यक्रमों में क्षत्रिय मराठा समाज के अध्यक्ष एडवोकेट रूपेश जाधव, रैली संयोजक शैलेंद्र देवधर, सचिव संभाजी राव जाधव, आनंद नवले ,मार्तंड राव जाधव ,लखन शिंदे, विनोद नवले, आशीष शिंदे, सुरेश बाबूराव जाधव, उपाध्यक्ष रमेश मोरे , सुरेश जाधव, कमल शिंदे ,संजय पवार ,चंद्र प्रकाश शिंदे, विजय राव जाधव, शरद पंवार, हेमंत शिंदे, संदीप पंवार, मूर्ति वाटिका निर्माण संयोजक विनोद नवले, अशोक दलवी, शिवाजी जयंती रैली संयोजक आनंद नवले, संदीप राव पंवार , कार्यक्रम संयोजक शैलेंद्र देवधर, उत्सव मिलन समारोह संयोजक इंद्रेश जाधव,महिला उपाध्यक्ष उषा दलवी ,सह सचिव निर्मला जाधव, रचना नवले, रश्मि जाधव,नेहा रोहित जाधव वर्षा पंवार, पुष्प लता नवले, गीता नवले, सुधा विनोद नवले,संतोष कदम वंदना जाधव ,दुर्गा दलवी, संगीता चौहान, जय श्री जाधव, शरद राव, राजश्री मराठा, सुधा जाधव,कोषाध्यक्ष मंगेश राव दल्वी आदि क्षेत्र के मराठा समाज जन शिवाजी जयंती कार्यक्रमों में सहभागी बने। 19 फरवरी को कार्यक्रम का विश्राम स्नेह मिलन समारोह के साथ आयोजित होगा। कार्यक्रमों में सभी समाज के पुरुष श्वेत परिधानों में तथा महिलाएं केसरिया लाल परिधानों में सहभागी बनेगी।

गिरफ्तारी और तस्करी की जानकारी देने के नियमों में सीबीआईसी ने किया संशोधन, देनी होगी ये रिपोर्ट

नई दिल्ली, 18 फरवरी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा गिरफ्तारी, तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधडी की जानकारी (रिपोर्टिंग) देने से संबंधित दिशानिर्देशों में संशोधिन किया है। इस कदम का मकसद सिंडिकेट द्वारा धोखाधडी के प्रयासों पर लगाम लगाना और जोखिम आधारित लक्ष्य में सुधार करना है। सीबीआईसी के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, सीमा शुल्क क्षेत्र के मुख्य आयुक्त/महानिदेशक को किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर इसकी रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से सीबीआईसी को भेजनी होगी। गिरफ्तारी रिपोर्ट में हिरासत में लिए गए व्यक्ति की राष्ट्रीयता और उसके अपराध का ब्योरा देना होगा। इसके अलावा अधिकारियों को जब्त किए गए सामान की मात्रा और उसके मूल्य का विवरण भी उपलब्ध कराना होगा।

ऐसे मामलों में जहां सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा गिरफ्तारी नहीं की गई है, तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधडी से संबंधित रिपोर्ट संबंधित क्षेत्र के आयुक्त द्वारा तुरंत सीबीआईसी को भेजी जानी है। यह देखते हुए कि सीमा शुल्क आयुक्तों से उनके अधिकार क्षेत्र के तहत तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधडी के मामलों के संबंध में अद्यतित रहने की उम्मीद की जाती है। सीबीआईसी ने कहा कि घटना की रिपोर्ट में उड़ान/यात्रा/क्रूज संख्या और सीमा शुल्क घोषणा दस्तावेज का विवरण होना चाहिए। रिपोर्ट में माल की उत्पत्ति के मूल देश और इसमें शामिल शुल्क का भी उल्लेख होना चाहिए। सीबीआईसी की ओर से कहा गया है कि कई मामलों में गिरफ्तारी की रिपोर्ट में जो ब्योरा दिया जाता है, वह पर्याप्त नहीं होता। इसको ध्यान में रखते हुए सीबीआईसी की ओर से यह दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

समय पर हर बीमारी का इलाज संभव है-डा शिंदे

मारवाड़ी मंच द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 46 मरीजों ने लिया लाभ

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय मारवाडी युवा मंच शाखा मंदसौर द्वारा एक दिवसीय निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन गोल चौराहा स्थित श्री क्लिनिक मेडी पाईट पर किया गया। जहां पर प्रसिद्ध जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ सिद्धार्थ शिन्दे ने 46 मरीजों को निशुल्क देखा और स्वास्थ्य संबंधी उचित सलाह दी। शिविर का आयोजन मंच के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में किया गया। अध्यक्षता मंच के मंदसौर शाखा अध्यक्ष दिलीप सेठिया ने की। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व अध्यक्ष श्री नरेंद्र त्रिवेदी, सचिव ऋषभ पोरवाल ,महिला शाखा अध्यक्ष रानी अनिल अग्रवाल, सचिव किरण गणेश सोनगरा मंचस्थ थे।

इस अवसर पर डॉक्टर सिद्धार्थ शिंदे ने कहा कि कहा कि बीमारी कौन सी भी हो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए व्यक्ति को जब कभी भी थोड़ा बहुत भी कुछ लगे तो उसे तुरंत चिकित्सक को दिखाना चाहिए आज के दौर में हर चीज का उपचार संभव है। आपने विशेष कर लेप्रोस्कोपी के माध्यम से किए जा रहे उपचार और बेस्ट केंसर तथा हर्निया बिमारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मारवाडी मंच के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने मारवाडी मंच द्वारा किए जा रहे सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए कहा कि मंदसौर जिले में लगातार चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में मंच परिवार कार्य करने हेतु जुटा हुआ है। प्रतिमाह मंच के बेनर तले सेवा कार्य किए जा रहे। मंच के अध्यक्ष दिलीप सेठिया ने कहा कि आगामी दिनों में मंदसौर शहर के समस्त वार्डों में मारवाडी मंच के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर लगाकर आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जायेगा। इस अवसर पर मारवाडी मंच परिवार के सर्व श्री सौरभ सोमानी,पंकज मित्तल,दिलीप रांका,अनिल अग्रवाल ,उषा कुमावत,पल्लवी नागदा, वैश्य महासम्मेलन जिला युवा प्रभारी जगदीश काला, हेमंत गंगवानी, जितेश घाटिया ने चिकित्सक श्री शिंदे का सम्मान कर अभिनंदन पत्र भेंट किया गया और अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जगदीश काला द्वारा किया गया एवं आभार सचिव ऋषभ पोरवाल ने माना।

नियमों में होगा बड़ा बदलाव, बिना अनुमति कराया है मकान में अतिरिक्त निर्माण, तो ऐसे करवा सकेंगे वैध

भोपाल, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहरी क्षेत्रों में अनुमति से अधिक आवास का निर्माण करने वाले भवन मालिकों को सरकार बडी राहत देने जा रही है। ऐसे 30 प्रतिशत तक अतिरिक्त निर्माण को मान्य किया जाएगा। इसके लिए 31 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवासीय मामलों में कलेक्टर गाइड लाइन का 15 प्रतिशत प्रशमन शुल्क देकर निर्माण को वैध किया जा सकेगा। अभी 10 प्रतिशत ही अतिरिक्त निर्माण प्रशमन शुल्क देकर वैध हो सकता था। व्यावसायिक गतिविधियों में उपयोग में आने वाले भवनों के लिए प्रशमन शुल्क 18 प्रतिशत रहेगा। ग्राम तथा नगर निवेश और नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने दिशा-निर्देश जारी करने के लिए संबंधित फाइल मंत्रालय भेज दी है।

निर्माण वैध करने की अनुमति- भोपाल, इंदौर सहित अन्य शहरी क्षेत्रों में आवासीय अनुमति से अधिक निर्माण को अतिरिक्त शुल्क लेकर वैध करने की व्यवस्था इसलिए बनाई गई थी ताकि सरकार इन्हें ना तो तोड़ पा रही थी और न ही राजस्व मिल रहा था। इसे देखते हुए शिवराज सरकार ने पहले 10 प्रतिशत निर्माण को वैध करने की अनुमति दी, पर जब मांग इस सीमा को 30 प्रतिशत तक करने के लिए आई तो उसे भी स्वीकार किया गया। कुछ समय तक यह सीमा 30 प्रतिशत रही और फिर घटाकर 10 प्रतिशत कर दी गई। तत्कालीन नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने फिर से 30 प्रतिशत तक अवैध निर्माण को वैध करने प्रस्ताव भेजा, लेकिन निर्णय नहीं हो पाया और विधानसभा चुनाव की आचार संहिता प्रभावी हो गई।

फिर निकल आई फाइल- मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने नगरीय विकास विभाग की समीक्षा में जनहित को प्राथमिकता देने और स्थानीय निकायों को स्वयं की आय बढ़ाने के विकल्प पर जोर देने की बात उठाई तो फिर अवैध निर्माण को वैध करने की फाइल निकल आई। सभी स्तर पर सैद्धांतिक सहमति होने के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास और ग्राम तथा नगर निवेश संचालनालय ने विभाग को प्रस्ताव दिया है कि 30 प्रतिशत तक अनुमति से अधिक आवासीय निर्माण को मान्य करते हुए वैध किया जाए और इसके लिए संबंधित क्षेत्र की कलेक्टर गाइड लाइन का 15 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लिया जाए।

मप्र में कांग्रेस विधायकों के पार्टी छोड़ने से भी राज्यसभा चुनाव पर नहीं पड़ेगा कोई असर

भोपाल, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ व उनके पुत्र सांसद नकुल नाथ के साथ यदि कांग्रेस के कुछ विधायक भी पार्टी छोड देते हैं या निर्वाचन से पहले इस्तीफा दे देते हैं तो भी राज्यसभा चुनाव अप्रभावित रहेगा। कांग्रेस के अशोक सिंह निर्विरोध राज्यसभा में पहुंचेंगे। दरअसल, नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नामांकन पत्र जांच में विधिमान्य पाया गया है। चूंकि, मध्य प्रदेश से राज्यसभा की पांच सीटें रिक्त हो रही हैं और इतने ही नामांकन पत्र भरे गए हैं। 230 सदस्यीय विधानसभा में दलीय स्थिति ऐसी है कि भाजपा चार और कांग्रेस एक सदस्य को राज्यसभा भेजने की स्थिति में है। एक सदस्य के चुनाव के लिए 38 वोट चाहिए। कांग्रेस के फिलहाल 66 विधायक हैं, लेकिन नामांकन रिक्त पांच सीटों के लिए पांच ही भरे गए हैं। इसमें चार भाजपा के एक कांग्रेस के प्रत्याशी शामिल हैं। राज्यसभा चुनाव में नामांकन पत्रों की जांच के बाद अब केवल नाम वापसी की प्रक्रिया शेष रह गई है। बीस फरवरी को तीन बजे तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। इस अवधि तक नाम वापसी नहीं होती है तो फिर रिटर्निंग आफिसर द्वारा निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा कर दी जाएगी। दरअसल, पांच स्थानों के लिए पांच ही नामांकन पत्र भरे गए हैं इसलिए मतदान की आवश्यकता ही नहीं है। विधानसभा में सदस्य संख्या के हिसाब से भाजपा के चार और कांग्रेस का एक सदस्य चुना जाना निश्चित है। विधानसभा के प्रमुख सचिव और इसके पहले तक राज्यसभा चुनाव के लिए रिटर्निंग आफिसर बनते रहे एपी सिंह का कहना है कि जब नामांकन जमा हुए थे तब सदस्यों ने प्रस्तावक के तौर पर नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

आचार्य विद्यासागरजी महाराज के देवलोक गमन पर विनम्र श्रद्धांजलि

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दिगंबर जैन मुनि परंपरा के

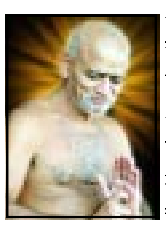

आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने 17 फरवरी को देर रात अपना देह त्याग दिया है. छत्तीसगढ के डोंगरगढ स्थित चंद्रगिरी जैन तीर्थ में उनका संथारापूर्वक देवलोक गमन हुआ। परमपूज्य आचार्य विद्यासागर महाराज दिगंबर जैन आचार्य अपनी असाधारण विद्वता, गहन आध्यात्मिक अंतर्दृष्टिऔर तपस्या और अनुशासन के जीवन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाते थे।

आचार्य विद्यासागर महाराज जैन शास्त्रों और दर्शन के बहुत बडे विद्वान थे संस्कृत, प्राकृत और कई आधुनिक भाषाओं में उनकी विद्वत्ता ने उन्हें कई व्यावहारिक कविताएं और आध्यात्मिक ग्रंथ लिखे। आचार्य विद्यासागर महाराज अपनी कठोर तप और आध्यात्मिक विकास के प्रति अटूट समर्पण के लिए प्रसिद्ध थे. अहिंसा, आत्म-अनुशासन और समभाव के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें अनगिनत भक्तों और आध्यात्मिक साधकों का गहरा सम्मान और प्रशंसा प्राप्त की थी. ज्ञान और करूणा से ओत-प्रोत उनकी शिक्षाओं ने व्यक्तियों को आध्यात्मिक पूर्णता का जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया था जैन समाज के साथ साथ संपूर्ण सनातन समाज के लिए श्रद्धा के पात्र थे।

रविन्द्र पाण्डेय

मीणा के बाछड़ा विद्यालय व अरनिया मीणा स्कूल में ऊनी स्वेटर वितरण किए

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। डोडिया मीणा व अरनिया मीणा आंगनवाड़ी एवं प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को उन्नी स्वेटर, मफलर, पूजा पाठ का आसन आदि सामग्री महावीर पुस्तकालय मंदसौर द्वारा वितरण की गई।

शिक्षिका श्रीमती चंदा जोशी, मेना मालवीय व कैलाशचन्द्र गुप्ता ने सराहनीय सेवाएं दी। आंगनवाड़ी प्रा.वि. डोडिया मीणा में भी उन्नी सामग्री दी गई। श्रीमती कृष्णा शर्मा प्रधानाध्यापक द्वारा आभार व्यक्त किया गया। पुस्तकालय समिति के सेवक अशोक नलवाया ने विद्यार्थियों सुसंस्कारित करने के लिये मार्गदर्शन प्रदान किया। शिक्षकगण व सेवाकर्मी महिलाओं को बेग भेंट किया गया। विद्यार्थियों को भगवान, माता-पिता व गुरूजनों को सुबह एवं रात को सोने से पूर्व प्राणायाम प्रार्थना करने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों को सच बोलने, चोरी न करने, बीडी, सिगरेट, तम्बाकू के गुटके नहीं खरीदने का संकल्प दिया।

गरीब बाछड़ा परिवार के विद्यार्थियों को हर प्रकार की मदद देने का आश्वासन महावीर पुस्तकालय ने दिया। दोनों ग्रामवासियों, गरीब परिवारों के सभी सदस्यों को पहनने के कपड़े वितरण की योजना प्रस्तुत की गई। ग्रामवासियों द्वारा आभार व्यक्त किया गया। महावीर पुस्तकालय मंदसौर द्वारा लगातार ग्रामीण क्षेत्र के गरीब विद्यार्थियों को स्कूलों में जाकर शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में नये ऊन्नी स्वेटर व अन्य जीवनोपयोगी सामग्री दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों से निवेदन है कि वे महावीर पुस्तकालय कोठारी नगर संजीत नाका मंदसौर से शीघ्र सम्पर्क कर विद्यालय के विद्यार्थियों को लाभ दिलावे ऐसी अपील की गई। सभी ग्रामवासियों से सहयोग करने के लिये आभार व्यक्त किया।

मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न

मल्हारगढ़, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा चुनाव की तैयारी,व राहुल गांधी की भारत जोडो न्याय यात्रा व भाजपा के घोषणा पत्र में किये गए वादों को पूरा कराने को लेकर मंडलम,सेक्टर व वरिष्ठ कांग्रेसजनों की ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मल्हारगढ की एक आवश्यक बैठक रविवार को राजीवगांधी उद्यान में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।बैठक के प्रारम्भ में कांग्रेस नेताओं ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व,राजीव जी गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

बैठक को संबोधित करते हुवे लोकसभा चुनाव के लिए नियुक्त प्रभारी नगर पालिका मन्दसौर के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख ने कहा कि कांग्रेस से को व्यक्ति अन्य पार्टियों में जारहा है या कोन व्यक्ति कांग्रेस में आरहा है इसे छोड़कर मंडलम,सेक्टर,बीएलए,व कांग्रेसजन लोकसभा की तैयारी में जुट जाय आने वाला समय निश्चिय रूप से कांग्रेस का ही है कांग्रेस का कार्यकर्ता कहि से कही तक उदास या हताश नही है हम सब एकजुट होकर आततायी ताकतों का मुकाबला करेंगे और उन्हें मुह तोड़ जवाब देंगे।शेख ने कहा कि राहुल जी के संघर्ष से हमे बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है हम सभी कांग्रेसजन कंधे से कंधा मिला कर उनके साथ खडे है उनके द्वारा निकाली जारही भारत जोड़ो न्याय यात्रा के मध्यप्रदेश में प्रवेश करने पर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेसजन अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करे। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि ब्लॉक में जो मंडलम ओर सेक्टर अध्यक्ष काम नही करना चाहते है उन्हें पद मुक्त कर ऊर्जावान साथियो को नियुक्त किया जाएगा साथ ही विधानसभा चुनाव में हुई गलतियों को सुधारकर बूथ लेवल तक कांग्रेस संगठन को मजबूत किया जाएगा। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अजहर हयात मेव ने कहा कि आज जो जाजम पर बैठे है यह कांग्रेस के सपर्पित, निष्ठावान साथी है ऐसे ओर भी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता है कांग्रेस से कई बड़े नेता गए और आये लेकिन कार्यकर्ता के दिलो दिमाक में सिर्फ कांग्रेस है,हमे मंडलम सेक्टर को ओर अधिक

मजबूत करना होगा। बैठक का संचालन जिला कांग्रेस के महामन्त्री अजित कुमठ ने किया,आभार नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामप्रसाद फरक्या ने माना। इस मौके पर जिला कांग्रेस के प्रवक्ता राजनारायण लाड, ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष कन्हैयालाल पाटीदार, जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष रामचन्द्र करुण, महामन्त्री चौथमल गुप्ता, बाबुखा मेवाती,मुकेश निडर, लियाकत मेव,नारायणगढ नगर कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप यादव,सचिव कन्हैयालाल चौहान, महेंद्र गेहलोत, मजीद खा पठान,नागेश्वर चौहान,अनिल उस्ताद,पार्षद दिलीप तिवारी,नेता प्रतिपक्ष सरफराज मेव,मंडलम अध्यक्ष दिनेश गुप्ता काचरिया,मुकेश कुमावत,किशोर उणियारा,किसान कांग्रेज के ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश पाटीदार,सेक्टर अध्यक्ष श्यामलाल मालवीय,पंकज बोराना, कोहिनूर मेव,वरिष्ठ कांग्रेस नेता वरदीचंद पंवार अम्बाव,बंशीलाल पाटीदार पटेल साहब,ब्लॉक कांग्रेस के उपाध्यक्ष फारुख पठान,अनिल मुलासिया, छोटेलाल सैनी,रामनारायण मालवीय, महेश चौहान,मनीष धनोतिया आदि मौजूद थे।

गांधीसागर में गिद्ध गणना का हुआ समापन

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रत्येक 02 वर्ष में की जाने वाली प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना का कार्य इस वर्ष 16 फरवरी से 18 फरवरी के मध्य किया गया।

वन मंडल मंदसौर अंतर्गत अभ्यारण गांधी सागर एवं वन परिक्षेत्र भानपुरा के कुछ क्षेत्र गिद्धों का प्राकृतिक आवास स्थल है जहां पर गिद्ध की कुल 04 प्रजातियां पाई जाती है साथ ही गिद्ध की 03 प्रजातियां यहां का वातावरण अनुकूल होने से यहां पर शीत ऋतु में प्रवास करती है।

वर्ष 2021 में हुई गणना मे प्रदेश में दूसरे स्थान पर था मंदसौर–वर्ष 2021 में हुई गिद्ध गणना में मंदसौर जिले में विभिन्न प्रजाति के 676 गिद्ध पाए गए थे जोकि मध्यप्रदेश में पन्ना जिले के बाद दूसरे स्थान पर है।

प्रकृति के सफाई कर्मी है गिद्ध–गिद्ध सामान्यत: केवल मरे हुए वन्यजीवों/ मवेशियों खाकर ही अपना भोजन प्राप्त करतें है। इसलिए इन्हें प्रकृति के सफाईकर्मी के रूप में भी जाना जाता है। मवेशियों के उपचार हेतु प्रतिबंधित दवाई डिक्लोफेनक के उपयोग से तथा आवास स्थलों की कमी से गिद्ध की संख्या में अचानक से कमी आई थी। गिद्धों के संरक्षण हेतु उनके नेस्टिंग साइट को पहचान कर उनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है ताकि इनकी संख्या बढ सके।

इस वर्ष हुई गिद्ध गणना की ये रही खास बातें–✻ इस वर्ष गिद्ध गणना का कार्य पूर्व में हुई एक दिवसीय गणना की बजाय 16 फरवरी से शुरू होकर 18 फरवरी तक तीन दिवस तक किया गया। ✻ तीन दिवस तक हुई गणना में पूर्व में स्थापित गिद्ध आवास स्थलों के साथ कुछ नए आवास स्थलों पर भी गणना करने का समय मिला। ✻ प्रकृति में गिद्धों के महत्व तथा उनकी कम होती संख्या से होने वाले विपरीत परिणामों से लोगों को जागरूक करने में स्वयं सेवकों ने भी बढ चढकर भाग लिया। ✻ बाहर से आये

स्वयं सेवकों के अतिरिक्त गाँधीसागर के स्थानीय स्वयं सेवकों - श्री कृष्ण कांत गोस्वामी, श्री पूरन माटा, श्री नितेश चनल ,श्री हिमांशु राठौर, तथा गाँधीसागर फ्लोटिंग फेस्टिवल से भी स्वयं सेवक जुड़े। ✻ तीन दिवसीय गणना के प्राथमिक आंकडो के अनुसार 02 वर्ष बाद हुई इस गिद्ध गणना में गाँधीसागर एवं आसपास के क्षेत्रों में गिद्ध के आवास स्थलों में वृद्धि के साथ ही इनकी संख्या में भी वृद्धि हुई है। ✻ प्राथमिक गणना आंकडो के अनुसार इस वर्ष गाँधीसागर अभ्यारण्य एवं आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतम 803 गिद्ध देखे गए। साथ ही वन मण्डल मंदसौर अंतर्गत गाँधीसागर, भानपुरा, गरोठ, एवं मंदसौर वन परिक्षेत्र को मिलाकर कुल 850 के लगभग गिद्ध गणना के दौरान पाए गए। जो कि पूर्व में वर्ष 2021 में हुई गिद्ध गणना के आंकडो 676 से अधिक है।

युवक ने जहर खाया, गंभीर

नीमच, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर के सिटी थाना क्षेत्र के बगीचा नंबर चार इलाके में एक 35 वर्षीय युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। तत्काल ससुराल पक्ष के लोग और पड़ोसी उसे लेकर नीमच के बड़े अस्पताल पहुंचे। जहां गंभीर हालत में उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि युवक इमरान कुरेशी 35 वर्ष जाति मुस्लिम निवासी चित्तौड़गढ़ का रहने वाला है। जो कुछ दिन पूर्व अपनी ससुराल बगीचा नंबर चार नीमच में रहने आया था। जहां उसने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। वहीं ससुराल पक्ष के लोगों और पड़ोसियों की मदद से उसे बड़े अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। बताया जा रहा है कि युवक का अपने ही माता-पिता और जीजा से विवाद चल रहा था। इस संबंध में उसके द्वारा चित्तौड़गढ़ के थाने में भी 9 फरवरी को शिकायत की गई थी। उसके बाद से वह नीमच आकर रहने लगा था। फिलहाल इस मामले की पुलिस जांच में जुटी हुई है।

संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने वाले सांसदों को राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने बधाई दी

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कल हुए सांसद रत्न अवार्ड समारोह के पश्चात पुरस्कार पाने वाले सभी सांसदों का उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनगड और राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपति मुर्मू ने सभी सांसदों का सम्मान किया और बधाई दी और कहा कि सफल लोकतंत्र के लिए सक्रिय सांसद का होना बहुत जरूरी है उन्होंने सभी सांसदों को धन्यवाद भी दिया कि उन्होंने अपनी कार्यशैली से न सिर्फ संसद रत्न प्राप्त कर गौरव बढाया है बल्कि उनकी सक्रियता से केंद्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंच कर उन्हें उसका पूरा लाभ दिलवाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।

साथ ही राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति ने प्राइम टाइम फाउंडेशन को भी धन्यवाद दिया है। इसके सम्मान और धन्यवाद के पश्चात सांसद सुधीर गुप्ता ने महामहिम राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति जी का क्षेत्र की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया है साथ ही उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आज सीधे जनता तक पहुंच रहा है और सरकार देश के हर वर्ग जाति के लोगों के विकास के लिए हमेशा प्रतिबद्ध होकर चाहू मुख विकास के नए आयाम को छू रही है आज मोदी जी के नेतृत्व का पूरे विश्व में बोलबाला है और प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत लगातार लगातार विकास की ओर बढ़ रहा है। सांसद गुप्ता ने अपने तीनों सांसद रत्न पुरस्कार और अन्य पुरस्कारों को क्षेत्र की जनता को समर्पित किया है और कहा कि यह सब मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की वजह से ही संभव हो सकता है उन्होंने कहा कि वह आगे भी क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए सदैव रहेंगे और प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा जो देश हित में योजनाएं चलाई जा रही है उसे उन तक पहुंचने में हमेशा तत्पर रहेंगे

10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थी सुपर-5 हजार योजना हेतु आवेदन 31 मार्च तक प्रस्तुत करें

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सहायक श्रमायुक्त अधिकारी द्वारा बताया गया कि म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के पंजीबद्ध निर्माण श्रमिकों के पुत्र/ पुत्रियों के माध्यमिक शिक्षा मंडल से प्राप्त शैक्षणिक सत्र 2022-23 में 10वीं एवं 12वीं की संकायवार प्रथम 5 हजार विद्यार्थियों प्रावीण्य सूची श्रम सेवा पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। पात्र विद्यार्थियों को एकमुश्त राशि रू. 25 हजार का नगद पुरस्कार मंडल द्वारा दिया जाना है। निर्माण श्रमिकों के पुत्र/पुत्रिया विद्यायल के माध्यम से आवेदन 31 मार्च 2024 तक कर सकते है। आवेदन करते समय दस्तावेज निर्माण श्रमिक का पोर्टल जनरेटेड परिचय पत्र, निर्माण श्रमिक/ पंजीयक धारक की बैंक पासबुक फोटो कॉपी, संस्थान प्रमुख का वर्तमान में अध्ययनरत का प्रमाण-पत्र एवं अंकसूची की फोटो कॉपी आवदेन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करें। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय सहायक श्रमायुक्त मंदसौर में सम्पर्क कर सकते है।

राजकोट टेस्ट: भारत ने इंग्लैंड को हराया, टेस्ट सीरीज में बनाई 2-1 की बढ़त, यशस्वी की डबल सेंचुरी

राजकोट, 18 फरवरी। निरंजन शाह स्टेडियम में खेले गए तीसरे टेस्ट में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को एक तरफा मुकाबले में शानदार मात दी है। 557 रनों का पीछा करते हुए इंग्लैंड की पारी महज 122 रन पर ही सिमट गई। इस जीत के बाद भारत ने 5 मैचों की सीरिज में 2/1 से बढ़त बना ली है।

दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल ने कमाल की बल्लेबाजी की और लगातार दूसरे मैच में दोहरा शतक लगाया था। वहीं सरफराज खान और शुभमन गिल ने भी भारत को दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 440 रन तक पहुंचाने में अर्धशतक लगाकर योगदान दिया था। जिसकी वजह से भारत इंग्लैंड को 557 रन का लक्ष्य देने में सफल रहा। जिसके जवाब में इंग्लैंड की पूरी टीम 122 रनों पर ही ढेर हो गई। भारत की तरफ से गेंदबाजी में रवींद्र जडेजा हीरो रहे, जिन्होंने 12।4 ओवर की गेंदबाजी में 41 रन देकर 5 बल्लेबाजों के पवेलियन भेजा।

फिरकी में फंसे अंग्रेज–पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी करने वाले इंग्लिश बल्लेबाज को दूसरी पारी में भारतीय स्पिनरों की स्पिन गेंदबाजी बिल्कुल समझ नहीं आई। इंग्लैंड के 8 बल्लेबाज स्पिनर की गेंद पर आउट हुए थे। जिस पिच पर भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 440 रन का स्कोर खड़ा किया था तो वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज सिर्फ 122 रन ही बना सके। इंग्लैंड की दूसरी पारी में सबसे बड़ा स्कोर तेज गेंदबाज मार्क वुड ने बनाया था। वुड ने अंतिम आखिर में आकर 15 गेंदों पर 33 रन की आतिशी पारी खेली। मगर उनके अलावा कोई भी इंग्लिश बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया।

जडेजा का कमाल, 5 विकेट लिये–पहली पारी में बल्लेबाजी में कमाल करने वाले रवींद्र जडेजा ने दूसरी पारी में गेंदबाजी में कमाल कर दिया। जडेजा की स्पिन गेंदबाजी का जवाब किसी भी इंग्लिश बल्लेबाज के पास नहीं था।उन्होंने मैच के चौथे दिन ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बने फोक्स और मार्क वुड को अपना शिकार बनाया था। इंग्लैंड टीम की मजबूत बल्लेबाजी जडेजा की फिरकी के आगे ताश के पत्तो की तरह ढह गई।

यशस्वी जायसवाल ने खेली बेहतरीन पारी–भारत की पहली पारी में सस्ते में आउट होने वाले 22 साल के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने तीसरे दिन शतक लगाया और चौथे दिन करने आए यशस्वी जायसवाल ने अपना दोहरा शतक पूरा किया। यशस्वी जायसवाल की आतिशी पारी के समाने किसी भी अंग्रेज गेंदबाज कोई कमाल नहीं दिखा पाया। यशस्वी जायसवाल ने 236 गेंदों पर 214 रन की बेहतरीन पारी खेली। जिसके बाद यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम की बराबरी कर ली है।

भारत ने बनाई सीरीज में बढ़त–भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत ने 2-1 की बढ़त बना ली है। हैदराबाद टेस्ट को 28 रन

से गंवाने के बाद भारतीय टीम ने विशाखापट्टनम में शानदार वापसी की और 106 रन से मुकाबला अपने नाम किया। जिसके बाद भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट राजकोट में खेला गया। जिसमें भारत ने 434 रन के बड़े अंतर से इंग्लैंड की बैजबॉल की हवा निकाल दी। अब सीरीज का चौथा टेस्ट 23 फरवरी से रांची में खेला जाएगा।

दत्ताजीराव की याद में काली पट्टी बांधकर उतरी भारतीय टीम–इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों ने शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन पूर्व कप्तान दत्ताजीराव गायकवाड की याद में बांह में काली पट्टी बांधी। भारत के लिए 1951 से 1962 के बीच 11 टेस्ट खेलने वाले दत्ताजीराव का 13 फरवरी को निधन हो गया था। वह भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर थे। दत्ताजीराव पूर्व भारतीय बल्लेबाज और कोच अंशुमन गायकवाड के पिता थे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे नड्डा

नई दिल्ली, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यकाल विस्तार का ऐलान किया गया है। उनका कार्यकाल आगामी जून माह तक रहेगा।

इससे पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद से पार्टी तेजी से आगे बढ़ी है। उन्होंने पिछले दशक में प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना की जो पार्टी संगठन के लिए नई उपलब्धियों से भरा रहा है। नड्डा ने यहां दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में मौजूद प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव के बाद मोदी सरकार हैट्रिक लगायेगी और लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखेगी। यहां प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन की दो दिवसीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नड्डा सहित केंद्रीय मंत्री, पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री, राज्यों के मंत्री, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पदाधिकारी, सांसद और विधायक सहित लगभग 11 हजार 500 प्रतिनिधियो ने भाग लिया।

अचानक शुरु हुई तापमान में बढ़ोतरी, पारा 30 डिग्री तक पहुंचा

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को एक्टिव हुए पश्चिमी विक्षोभ से एक बार फिर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल सकता हैं। इससे पहले अंचल में तेज गर्मी का असर रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के आसपास बना हुआ रहा। इस सीजन में इतना तापमान पहली बार बढ़ा है। मौसम जानकारों की माने तो अगले दो दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। इसके बाद वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर दिखाई देने लगेगा। 21-22 फरवरी से तापमान में गिरावट आएगी। हालांकि बारिश की संभावना नहीं बन रही। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में उत्तरी कर्नाटक से लेकर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ तक टर्फ लाइन गुजर रही है। इससे दक्षिणी मध्यप्रदेश में नमी आ रही है। वहीं शनिवार को पश्चिमी हिमालय के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। प्रदेश में एक दो दिन बाद इसका असर देखने को मिलेगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से ग्वालियर - चंबल सम्भाग में बारिश हो सकती है।

दो दिवसीय व्याख्यान माला संपन्न

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव स्मारक समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम में किया गया, जिसमे द्वितीय दिवस समिति अध्यक्ष श्री दशरथसिंह झाला, मुख्य वक्ता सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अश्विनी उपाध्याय मंचासिन रहे।

मुख्य वक्ता ने रामराज्य और भारतीय संविधान विषय पर अपना सरगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमे आपने बताया कि हमारे संविधान का मूल लक्ष्य ही रामराज्य की स्थापना करना है, जिसमे जातिवाद, पंथवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, छुआछत जैसी अनेको समस्याएं जो की समाज को विघटित करने का प्रयास करती है उनका कोई स्थान नहीं होना चाहिए। आपने बताया कि हमारी सभी समस्याएं मानव निर्मित है किसी भी देवीय शक्ति ने हमे कोई समस्या नहीं दी और न कोई भेदभाव किया, और जब ये समस्याएं मानव निर्मित है तो इनका समाधान संभव है और वह भी हमें मिलकर ही करना है। भारत एक धार्मिक राष्ट्र है धर्मनिरपेक्ष नहीं है धर्म तो एक ही है सनातन बाकी तो सभी पंथ है, हमे अपने सरनेम की बजाए गोत्र आधारित पहचान के बारे में सोचना होगा क्योंकि हिंदू समाज 10 हजार जातियों में बटा हुआ है जबकि गोत्र 100 ही है सरकारी कागजों पर जाति पूछना बंद होना चाहिए। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए और समाज को एक करने समरस करने का प्रयास हमें करना चाहिए तभी हम रामराज्य को स्थापित कर पाएंगे इस बारे में हमें विचार करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक, प्रबुद्धजन, मातृशक्ति उपस्थित रही आभार गिरिजाशंकर मोदी ने माना, वंदे मातरम गीत के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

रतलाम के आलोट में फर्जी तांत्रिक ने मां-बेटी सहित तीन महिलाओं से किया दुष्कर्म

रतलाम/आलोट, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कथित त्रांतिक द्वारा रतलाम जिले के आलोट नगर में एक महिला, उसकी बेटी व रिश्ते की बहन के साथ दुष्कर्म करने के मामला सामने आया है। वह उनके घर गढ़ा धन निकालने का लालच देकर रह रहा था। आसपास के लोगों व अन्य रिश्तदारों को शंका होने पर उन्होंने जब जानकारी निकाली तो मामला उजागर हुआ। इसके बाद लोगों ने कथित तांत्रिक की जमकर पिटाई की और उसे पुलिस को सौंप दिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। तांत्रिक की उम्र 40 से 45 वर्ष बताई जाती है।

जानकारी के अनुसार कथित तांत्रिक आरोपित बलवीर सिंह पुत्र महावीर बैरागी निवासी ग्राम बेगू जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) एक सप्ताह पहले किसी काम से आलोट आया था। आलोट रेलवे स्टेशन पर पीड़ित परिवार

के एक सदस्य के मित्र से तांत्रिक की पहचान हुई थी। तांत्रिक ने उसे गढ़ा धन निकालने का कहा था। इसके बाद पीड़ित परिवार से तांत्रिक ने उनके घर गढ़ा धन निकालने का लालच देकर उन्हें अपने झांसा में फंसाया और उनके घर जाकर रहने लगा। पीड़ितों के अनुसार तांत्रिक ने उन्हें गले में बांधने के लिए कथित ताबिज दिए थे। इसके बाद महिला के पति व पुत्र पर दबाव बनाकर मेहंदीपुर मंदिर दर्शन करने भेज दिया। सूत्रों के अनुसार तांत्रिक ने उनसे कहा था कि घर पर महिलाएं ही रहेगी, तभी वहा तांत्रिक क्रिया कर पाएंगे। पति व पुत्र बाहर चले गए। उधर, आरोपित तांत्रिक बलवीर सिंह ने महिला को पानी में मिलाकर कुछ पिला दिया। अचेत होने पर उसने महिला से दुष्कर्म किया। महिला का कहना है कि इसी प्रकार उसने उनकी बेटी व रिश्ते की बहन के साथ भी दुष्कर्म किया। विरोध करने पर वह चाकू-छूरी लेकर धमकाता भी रहता था। पुलिस के अनुसार तांत्रिक द्वारा महिलाओं से अवैध संबंध बनाने का मामला आया है। पीड़िताओं के बयान लिए जा रहे हैं। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सत्संग भवन का लोकार्पण आज

मंदसौर, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री बालाजी मंदिर श्री बालाजी मंदिर के नव निर्मित सत्संग भवन के लोकार्पण का कार्यक्रम दिनांक 19 फरवरी सोमवार 2024 को दोपहर 12:20 पर आयोजित है आचार्य श्री रामानुज लोकार्पण करेंगे। इसी दिन रात्रि इसी सत्संग भवन में 7:30 बजे से 9:30 बजे तक महाराज श्री के प्रवचन भी होंगे। श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं. धीरेंद्र त्रिवेदी ने श्री बालाजी के समस्त भक्त एवं नगर के गढवाली जनों से लोकार्पण एवं प्रवचन समारोह का लाभ लेने का अनुरोध किया है।

विधिक सेवा प्राधिकरण में कल समग्र आईडी आयुष्मान कार्ड एवं आधार कार्ड बनाने हेतु शिविर

नीमच, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार ,प्रदेश स्तर पर चलाए जा रहे समाधान आपके द्वार योजना अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच द्वारा 20 फरवरी को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच, कार्यालय एडीआर सेंटर, में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में समग्र आईडी, आयुष्मान कार्ड ,आधार कार्ड बनाए जाएंगे । आमजन अपने आधार कार्ड आयुष्मान कार्ड एवं समग्र आईडी बनवाने हेतु इस शिविर में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच के सचिव श्री विजय कुमार सोनकर ने आधिकाधिक आम जनों से शिविर का लाभ उठाने का आह्वान किया है ।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में हिस्सा लेने वाले स्टार्टअप को खर्च का 75 प्रतिशत देगी सरकार

भोपाल, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के स्टार्टअप को अब राज्य सरकार विभिन्न आयोजनों में हिस्सा लेने पर कुल व्यय का 75 प्रतिशत प्रतिपूर्ति करेगी। इसके लिए मप्र स्टार्टअप नीति एवं कार्यान्वयन योजना 2022 में नए प्रविधान किए गए हैं।

प्रदेश में स्थापित स्टार्टअप्स एवं इंक्यूबेटर्स अंतर्गत नए प्रविधान के अनुसार केंद्रीय घरेलू आयोजनों में हिस्सा लेने पर कुल व्यय का 75 प्रतिशत अधिकतम 50 हजार रुपये प्रति आयोजन दिया जाएगा। इसी तरह देश के बाहर स्टार्टअप केंद्रीय अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता के लिए 75 प्रतिशत अधिकतम डेढ़ लाख रुपये वित्तीय सहायता दी जाएगी। इससे अधिक राशि अथवा संख्या होने की स्थिति में प्रकरण यथोचित पाए जाने पर सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग (एमएसएमई) के सचिव /प्रमुख सचिव के अनुमोदन से स्वीकृत किए जाएंगे। राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय आयोजन सहभागिता में किए गए व्यय में सहभागी द्वारा आने जाने ठहरने, उत्पाद परिवहन एवं स्टाल शुल्क पर किए गए व्यय सहायता के लिए पात्र होंगे। वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए स्टार्टअप को आयोजन दिनांक से 15 दिन पहले मध्य प्रदेश स्टार्टअप सेंटर को आवेदन करना होगा। जिसमें आयोजन का विवरण उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं अनुमानित व्यय का उल्लेख होगा। यह वित्तीय सहायता मध्य प्रदेश के किसी भी स्टार्टअप को एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम एक आयोजन के लिए प्रबंध संचालक मप्र लघु उद्योग निगम के अनुमोदन के बाद दी जाएगी। लेकिन सहायता एक स्टार्टअप को पूरे जीवनकाल में दो बार से अधिक नहीं दी जाएगी।

मप्र में चार हजार से अधिक स्टार्टअप है। स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता करने पर कुल व्यय पर 75 प्रतिशत वित्तीय सहायता दी जाएगी। स्टार्टअप को पूरे जीवनकाल में दो बार ही वित्तीय सहायता दी जा सकेगी।

पी नरहरि,
सचिव, एमएसएमई विभाग मप्र।

मप्र में नेशनल गेम्स 2025 का आयोजन कराने की मांग विश्वास सारंग ने केंद्रीय खेल मंत्री को सौंपा पत्र

भोपाल/नई दिल्ली, 18 फरवरी। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना प्रसारण, खेल एवं युवा मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर से सौजन्य मुलाकात कर 2025 में आयोजित होने जा रहे 'नेशनल गेम्स 2025' के आयोजन का दायित्व मध्यप्रदेश को देने हेतु पत्र सौंपा।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स का सफल आयोजन–मंत्री सारंग ने कहा है कि मध्यप्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना उपलब्ध है। जिससे 5वें

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 का सफल आयोजन किया गया, इसी तरह दायित्व मिलने पर नेशनल गेम्स 2025 का आयोजन भी सफलतापूर्वक संपन्न होगा। मंत्री सारंग और केंद्रीय मंत्री ठाकुर के बीच मध्यप्रदेश में खेल गतिविधियों, अधोसंरचना विकास व युवा कल्याण सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

मध्यप्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना उपलब्ध–मंत्री सारंग ने पत्र में लिखा है कि मध्यप्रदेश द्वारा 5वें खेलों इण्डिया यूथ गेम्स 2022 का दिनांक 31 जनवरी से 11 फरवरी 2023 तक सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है। मध्यप्रदेश खेलों के विकास हेतु सतत प्रयासरत है तथा प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को चिन्हित कर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खेल प्रशिक्षण व खेल अधोसंरचना उपलब्ध कराने हेतु मध्यप्रदेश में 18 खेलों की 11 खेल अकादमियां स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि इन सभी खेल अकादमियों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना निर्मित की गई है। प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर व जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना पूर्व से उपलब्ध है।

भोपाल के नाथू बरखेड़ा में बन रहा अंतरराष्ट्रीय स्पोटर्स कॉम्प्लेक्स–मंत्री सारंग ने केंद्रीय मंत्री ठाकुर को भोपाल के नाथू बरखेड़ा में बन रहे अंतरराष्ट्रीय स्पोटर्स कॉम्प्लेक्स की जानकारी देते हुए लिखा कि मध्यप्रदेश शासन भोपाल को स्पोर्टस हब बनाने के लिये प्रयासरत है, इसी संदर्भ में शासन द्वारा नाथू बरखेड़ा, भोपाल में राशि रू. 985.76 करोड़ की लागत से अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्पोर्टस कॉम्पलेक्स का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस स्पोटर्स कॉम्पलेक्स में एथलेटिक्स, हॉकी, फुटबॉल, तैराकी के साथ ही मार्शल आर्ट खेल हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना का निर्माण किया जायेगा।

खिलाड़ियों के लिये सुगम संसाधन उपलब्ध–मंत्री सारंग ने पत्र में नेशनल गेम्स 2023 में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए लिखा कि गोवा में आयोजित नेशनल गेम्स-2023 में मध्यप्रदेश के 314 खिलाड़ियों द्वारा 37 खेलों में ऐतिहासिक प्रदर्शन कर 37 स्वर्ण, 36 रजत, 39 कांस्य इस प्रकार कुल 112-पदक अर्जित कर, देश में चौथा स्थान अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश का हृदय स्थल है तथा यहां देश के सभी हिस्सों से आवागमन हेतु रेलवे के सुगम संसाधन तथा प्रतिष्ठित होटल उपलब्ध है। इन सभी को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश को नेशनल गेम्स-2025 के आयोजन का दायित्व सौपा जाता है तो निश्चित ही हम खेलों इण्डिया यूथ गेम्स-2022 की तरह ही नेशनल गेम्स-2025 का सफलतापूर्वक आयोजन करेंगे।

मध्य प्रदेश सरकार फिर लेगी पांच हजार करोड़ रुपये का कर्ज

भोपाल, 18 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार 20 फरवरी को बाजार से पांच हजार करोड़ रुपये का कर्ज लेने जा रही है। रिजर्व बैंक के मुंबई कार्यालय के माध्यम से अपनी गवर्मेन्ट सिक्युरिटीज का विक्रय कर यह कर्ज तीन हिस्सों में लिया जाएगा। पहला कर्ज 1,500 करोड़ रुपये 16 वर्ष और इतनी ही राशि का दूसरा कर्ज 20 वर्ष के लिए लिया जाएगा। तीसरा कर्ज दो हजार करोड़ रुपये का होगा, जो 21 वर्ष में चुकाया जाएगा। तीनों ही कर्ज पर साल में दो बार कूपन रेट पर ब्याज का भुगतान भी किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 में सरकार अब तक कुल 27 हजार 500 करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी है। पांच हजार करोड़ रुपये के इस कर्ज को मिला लिया जाए तो यह राशि 32 हजार 500 करोड़ रुपये हो जाएगी। 31 मार्च 2023 की स्थिति में मध्य प्रदेश सरकार पर तीन लाख 31 हजार करोड़ रुपये से अधिक कर्ज है। बता दें कि इसी माह छह फरवरी को सरकार ने तीन हजार करोड़ रुपये का कर्ज लिया था।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in